

[illegible]

**बज्र बूँगी, मेरठ रोड, मुकुन्दनगर
स मुईत एव कृष्ण लोहा धाडा,
प्रथम तल काला बूँगी रोड, हदनाही
(उतरगछह) स प्रकाशित।**

सम्पादक:
एस एन. राना
“कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बजा ‘सुपन’
☎05946-250286
मुखालय:
मेवाबाद-97200070290
R.N.L.No.U.TTHIN/2003/10264
www.shahatimesnews.com
email:shahatimes2015@gmail.com

*एरा अफ न प्रजासिधायि समस्त धाम्याणी के
पक्ष पक्ष सम्मान देत PRS के कर के
अंगीकृत उन्नावरी। समस्त विषय,
मुकुन्दनगर न्यायालय के अधिन ही होत।

हमारे समर्थन और विधेयमोदरी का प्रतीक है।
एक पूजा लाने का अर्थ है, जीवन को रोपना। जब हम यह कार्य अपनी मर्त के नाम करते हैं, तो यह भाव और भी पवित्र हो जाता है। विद्यालय का प्रभुनाथवाचन करने वालों ने अतिविधियों का स्वागत करते हुए विद्यालय में घात कर दी। शोधक ने पर्वकारियों गतिविधियों को जानकारों की ओर छान को अधिकाधिक पीछे लाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में सभी पंथधर लॉगों ने धर्मधारण कर पर्वकारों प्रभुनाथ का संकेत लिया कार्यक्रम के अंत में प्रभुनाथवाचन योगेश्वर, शहीद भाग सिंह संकेत लेते अध्यक्ष सुनील दुवाल, राजन राठी, पण्डित विद्या कालरा, उप प्रभुनाथवाचन की विधायाँ, विजय कुमार, अनुराग शर्मा, प्रमोदी मुखर्जी, राखी कपूर, सीजी कुमार, पूजा मुखर्जी, अजय राठी, विजय तोमर सहित कई गणमान्य नागरिक और विद्यालय स्तर उपस्थित रहे।

उत्तराखण्ड हाईकोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग से नाम शामिल करने के मापदंड पेश करने को कहा

मुन्धस संवाददाता शाह राहस्य
देहरादून मीच के कैबिनेट मंत्री
गणेश गौरी ने २०१०वाँ लोकसभा
चुनी कायावस्था में लखनौ की या
चालाकी की रीति से पुष्पाको
सहस्रवर्षीय और शिव शोरास प्ये टटे
और जोक होकर का विमोचन
है।
अस प्रसर के कैबिनेट मंत्री गणेश
गौरी ने लखनौ की या चालाक और
सुखी प्रतिगणेश महिलाओं को बांध
प्ये शुक्रामणन दी। उनिने क
है, क यवना पुस्तक विमोचन
है, बालक उन महिलाओं को थो
की मेहनत और निपुणता को
पहचान देना का प्रयास है, जिने
पे को यादगारी के मोता रह
पकाला उन प्रसा हासिल की है।
अस देन प्रतिगणेश को मच और

पहचान मिल रहा है, जो अ
सुखी मीच है।
कानून मंत्री गौरी ने कहा कि अ
महिलाएं समाज के हर क्षेत्र
अथवा भूमिका निभा रही हैं।
प्रदेश सरकार महिलाओं
अस करके 'अस सामाजिक
सारक्षकता है होने निरंतर अ
कर रही है। उनिने प्रयास
प्रधानमंत्री मोदी के अ
प्रतिगणेश दीदी के लख्य को
मच को निराश ने प्रगतिअस
ने अय क १.६५ लाख को अ
महिलाओं को लखनौ की या च
है। उनिने कहा कि यथे हा
समूहों का मध्य से माय शक्ति
अस करके असाधारण अ
बा रहा है और प्रयास सरकार
है। निने सतत प्रगति कर

तेज रफ्तार डीसीएम ने ली दो बाइक सवार किशोरो की जान, तीसरा गंभीर

शाह टाइम्स संवाददाता इम्बरीआ। बुधवार रात्रि एक तेज रफ्तार डीसीएम ने बाइक सवार दो किशोरों की जान ले ली तथा एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। कस्बे से कुछ ही आगे मंगेलीर मार्ग देव फार्म हाउस के सामने तेज रफ्तार डीसीएम की टक्कर बाइक के साथ होने से बाइक सवार दो किशोरों की मौत हो गई तथा इसी बाइक पर सवार तीसरा 26 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था।

जानकारी के अनुसार इम्बरीआ - मंगेलीर मार्ग पर बुधवार रात्रि 10:40 बजे एक डीसीएम की टक्कर बाइक से हो जाने से

गाड़ी चालक के खिलाफ मुकदमा, परिजनों में मचा कोहराम

बाइक सवार 15 वर्षीय किशोर हर्ष पुत्र ईश्वर की मौत पर ही मौत हो गई थी। जबकि दूसरे 16 वर्षीय किशोर अश्वतीन पुत्र अभय की रुड़की सिविल अस्पताल में जाते ही मौत हो गई थी। इसी बाइक पर सवार तीसरा युवक 26 वर्षीय रोहन गंभीर रूप से घायल हो गया था घायल का इलाज रुड़की सिविल अस्पताल में चल रहा है। उसी तारीखें मोरल्लाल ताल कुत्ती थाना कांठ जिला फिरोजवा

पंजाब के निवासी है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। थाना निरीक्षक अजय सिंह ने बताया कि एक किशोर की मौके पर ही मौत हो गई थी जबकि दूसरे किशोर की मौत अस्पताल जाते ही हो गई थी। इसी बाइक पर सवार तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था घायल का इलाज रुड़की स्थित सिविल अस्पताल में चल रहा है। उसने को परिजनों को फोन से सूचना दी गई सूचना मिलते ही

पंजाब से उसका लोमें के परिवार थाने पहुंचे तथा डीसीएम चालक के खिलाफ मुकदमा अश्वतीन के पिता अभय सिंह द्वारा थाने में तहरीर दी गई। तहरीर के आधार पर डीसीएम चालक के खिलाफ संबंधित थानाओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। डीसीएम को पुलिस ने कब्जे में लेकर थाना परिसर में खड़ा कर दिया है। डीसीएम चालक को शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। (मुकदमा दोनों किशोरों के पोस्टमार्टम के बाद शव परिवजनों को दे दिए गए हैं।) युवक किशोरों के परिवजनों का रो रो कर गूना हाल है। उनमें तारीखें एक ही बाइक से हट्टीआ जा रहे थे।

कार की चपेट में आकर कांवड़िए की मौत, किया हंगामा, पुलिस ने संभाला

शाह टाइम्स संवाददाता रुड़की। दिल्ली-हरिद्वार हाईवे पर सगला इमरती बाईपास के निकट सड़क पर कार के सम्य एक कांवड़िए को कार की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे के बाद गंभीर रूप से घायल हुए कांवड़ि यात्री को तुलु हो पुलिस उठाकर अस्पताल ले गई थी। अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस कार चालक की तलाश कर रही है।

पुलिस के मुताबिक पुरुषोंयय शर्मा (66) निवासी डुडौडांढा थाना क्रांतिग रिपब्लिक, जिला गाजियाबाद, उअ अपने साथियों



के साथ चल लेने के लिए हरिद्वार आये थे। हरिद्वार से जल उठाकर वह वापस जा रहे थे। बुधवार की दोपहर को वह अपने साथियों से अलग थे। जब वह नगला इमरती बाईपास के निकट बसंत हवेली होटल के पास पहुंचे तो वह कुछ सामान लेने के लिए सड़क पर करने लगे। इसी दौरान एक हरियाण नंबर की कार ने उन्हें चपेट में ले

लिया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गये। जिस समय हादसा हुआ। उस समय वहां पर अधिक क कांवड़ यात्री नहीं थे। सूचना मिलते ही पुलिस आनफानन में मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घायल कांवड़ यात्री को तुरंत ही रुड़की के सिविल अस्पताल में भिजवाया। सिविल अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव कब्जे में लिया है। साथ ही पुलिस ने हादसे की बाबत मुकद के खयन को सूचना दे दी है। प्रभारी निरीक्षक मनीमृण श्रवास्तव ने बताया कि आरोपी कार चालक को तलाश को जा रही है।

मशकूर राणा बने भारतीय मुरिलम राजपूत संगठन के प्रदेशाध्यक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता भगवानपुर। विधानसभा क्षेत्र के आम सिक्केपुर से समाजसेवी मशकूर राणा को भारतीय मुरिलम राजपूत संगठन ने प्रदेश अध्यक्ष उत्तरखंड नियुक्त किया है जिसमें मशकूर राणा ने संगठन के पर अधिकारियों का आभार प्रकट करते हुए कहा है कि जो विश्वास संगठन ने मुझ पर रखा है मैं उस पर हर संभव सखा उठाऊंगा की कोशिश करूंगा और उच्छे विश्वास को टूटने नहीं देगा व संगठन के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए काम करूंगा। संगठन को जनशक्ति को सभी को साथ लेकर जल्द एक टीम तैयार करूंगा। उत्तरखंड



प्राथमिकता में शामिल होगा। दहेज प्रथा को रोक ने के लिए भीकाम किया जाएगा ताकि किसी गरीब आदमी को अपनी बेटी की शादी पड़े जाति धर्म और राजनीति को भूलकर समाज के उन्नयन के लिए निष्ठा से कार्य करेगा। मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ कृष्ण आरिफ के साथ साथ संस्थापक एडवोकेट एव सलीम राष्ट्रीय महासंघ राव मासुस बसी का भी धन्यवाद करता हूं इस मौके पर राव असलम, राव सावेब फैसल ठाकुर राव आसिम एडवोकेट राव मुबारक कोशिश की जाएगा। राव सुभाष को जोआरक कर संगठित करने का काम करेगा। महिलाओं और बेटियों के उपायुक्त को रोकना

शिवभक्तों को 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाएं दे रहा सीएचसी इमलीखेड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता पिरान कालियर। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इमलीखेड़ा ब्लॉक रुड़की में कांवड़ यात्रियों के लिए समस्त स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी और डॉक्टर 24 घंटे सेवाएं दे रहे हैं। इमलीखेड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर राव अकरम एवं प्रभारी फार्मसी अधिकारी बिजेता कुमार के नेतृत्व में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कांवड़ियों को 24 घंटे चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। डॉक्टर राव अकरम फार्मसी अधिकारी बिजेता कुमार ने बताया कि कांवड़ियों को सेवा के लिए इमलीखेड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दिन रात खुला हुआ है। सभी



स्वास्थ्य कर्मचारी दिन रात मेहनत कर कांवड़ियों की सेवा कर रहे हैं। (मानव सेवा ही सर्वोपरि है कांवड़ियों को सभी प्रकार की रखाया एवं चिकित्सा से संबंधित सभी उपचार निराल्क किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि साल में एक बार यह पुण्य कर्मा के आयकर प्राप्त होता है। सभी स्वास्थ्य कर्मचारी अधिकारी गण अगनी ड्यूटी को पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से संभाभव से निभा रहे हैं और मानव सेवा कर रहे हैं।

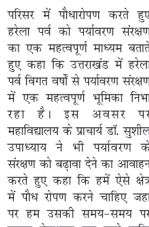
मारपीट में दो लोग गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता रुड़की। मारपीट में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गंगनगर कोवाली के बरिष्ठ उप निरीक्षक अजय शाह ने बताया कि विक्की निवासी जौहान डेगरी के पास कांवड़ियों और अनुभव प्राप्त सिंह निवासी आवास विकास कोतवाली गंगनगर अपने परिजनों से मारपीट कर रहे थे। पुलिस टीम में उप निरीक्षक गजीब उनीयात, सदीप पंडेरी, पंकज कुमार, अखवीर और अजय दत्त शामिल रहे।

चमनलाल महाविद्यालय में मनाया हरेला पर्व

शाह टाइम्स संवाददाता लंबौरा। चमन लाल महाविद्यालय में हरेला पर्व पर विद्यालय परिसर में चौथा रोपण किया गया इस मौके पर महाविद्यालय की और हरेला पर्व को अतिनाइए एवं ऑफलाइन माध्यम से भी संपन्न किया गया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं व अध्यापकों ने पौधे रोपण करवाये एवं पौधों की संरक्षण का भी संकल्प लिया।

हरेला पर्व पर चमन लाल महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा अपने घरों के आसपास पौधोंरोपण किया गया। इस अधिनयन में छात्र-छात्राओं के अधिपतायन भी शामिल किया हुआ इस मौके पर महाविद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रामकुमार शर्मा एवं सचिव अरुण हरित ने महाविद्यालय के



परिसर में पौधारोपण करते हुए हरेला पर्व को पर्यवेक्षण संरक्षण का एक महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए कहा कि उत्तरखंड में हरेला पर्व विगत वर्षों से पर्यवेक्षण संरक्षण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील उपाध्याय ने भी पर्यवेक्षण के संरक्षण को बढ़ावा देने का आवाहन करते हुए कहा कि हमें ऐसे क्षेत्र में पौध रोपण करने चाहिए जहां पर हम उसकी सम्य-सम्य पर रक्षण कर सकें।



पर्यवेक्षण संरक्षण को लेकर सरकार कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित कर रही है जिससे प्रकृति के संरक्षण को बढ़ावा मिल सके हम स्वयं को सरकार के सहयोगी बनकर इस कार्य में मदद करके हिस्सा लेना चाहिए ताकि भावी पीढ़ी इससे प्रेरणा ले सके और प्रकृति की सेवा में अभिवृत्ति योगदान दे सके कार्यक्रम के अंत में परिसर में उपस्थित शिक्षकों एवं अतिनाइए के माध्यम से जुड़े विद्यार्थ छात्र-छात्राओं एवं अन्य कर्मचारियों का आभार जताया।

लंबौरा-लक्सर मार्ग पर अज्ञात कांवड़िए का शव मिला पुलिस शिनाख्त की कोशिश में

शाह टाइम्स संवाददाता लंबौरा। कस्बे के रुड़की-लक्सर मार्ग पर सड़क किनारे एक खेत में एक अज्ञात कांवड़िए का शव मिलने से हड़कें मच गईं। किसानों व राहगीरों की सूचना पर पड़वी पुलिस ने शव कब्जे में लेकर शिनाख्त कराई लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हुई। पुलिस ने शव को सिविल अस्पताल की मोर्चों में भिजवाया दिया है। लंबौरा पुलिस के मुताबिक लंबौरा की सड़क कस्बे के रुड़की-लक्सर मार्ग पर स्थित सोनली नदी के समीप सड़क किनारे एक खेत में एक अज्ञात व्यक्ति का शव किसानों व राहगीरों को पड़ा दिखाई दिया। शव दिखने के बाद काफी ग्रामीण इकट्ठा हो गए मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराई लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो पाई। पुलिस ने आनफानन में शव को कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल रुड़की को मोर्चों में भिजवा दिया है। लंबौरा पुलिस जैकी प्रभारी नवीन चौहान ने बताया कि जिस व्यक्ति का शव मिला है जिसकी पहचान नहीं हो पाई है। मुकद ने कांवड़िए के कब्जे पलट रखे हैं। जिसकी उम्र लगभग 28 वर्ष प्रतीत होती है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अंतिम कांवड़ि को जपेंगी।

पीएस आवास में अनियमितता पर

सीडीओ ने वीडीओ को किया दंडित, वेतन पर रोक

शाह टाइम्स संवाददाता रुड़की। मुख्य विकास अधिकारी, हरिद्वार ने प्रधानमंत्री आवास योजना में अनियमितताएं पाए जाने पर श्री विनय प्रताप, ग्राम विकास अधिकारी की प्यवगी रूप से आगामी एक वार्षिक वेतनवृद्धि पर रोक लगाते हुए रीडित किया है। यह कार्रवाई उनकी तत्कालीन ग्राम पंचायत-इमलीखेड़ा मासाही विकास खण्ड-भगवानपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास निर्माण से संबंधित जांच के बाद की गई है, जिसमें यह रोपी गवा गए हैं। मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि यदि प्यवगी में इस प्रकार की अनियमितताओं की पुनरावृत्ति पाई जाती है तो अन्य ग्राम विकास अधिकारियों के खिलाफ भी कड़ी विभागीय अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। यह काम प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पावरटिज और जवाबदारी सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। प्रशासन प्रत्यक्ष के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर कायम है और सभी अधिकारियों को निर्माण का कड़ाई से फालत करने के निर्देश दिए गए हैं।

डीजे कंपनियों की प्रतिस्पर्धा ने मचाया बवाल, चक्र कांवड़िए गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता रुड़की। मुख्य विकास अधिकारी, हरिद्वार ने प्रधानमंत्री आवास योजना में अनियमितताएं पाए जाने पर श्री विनय प्रताप, ग्राम विकास अधिकारी की प्यवगी रूप से आगामी एक वार्षिक वेतनवृद्धि पर रोक लगाते हुए रीडित किया है। यह कार्रवाई उनकी तत्कालीन ग्राम पंचायत-इमलीखेड़ा मासाही विकास खण्ड-भगवानपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास निर्माण से संबंधित जांच के बाद की गई है, जिसमें यह रोपी गवा गए हैं। मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि यदि प्यवगी में इस प्रकार की अनियमितताओं की पुनरावृत्ति पाई जाती है तो अन्य ग्राम विकास अधिकारियों के खिलाफ भी कड़ी विभागीय अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। यह काम प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पावरटिज और जवाबदारी सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। प्रशासन प्रत्यक्ष के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर कायम है और सभी अधिकारियों को निर्माण का कड़ाई से फालत करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मौके पर देव खत्री में डीजे बजाना जा रहे थे और दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे को पीछे छोड़ने के लिए भीड़ में चक्र पर प्रदर्शन करने लगे। इससे हादसे पर धौलक बांधित हो गया। सूचना पर पुलिस को वारंट जारी करे हुए नारसम पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने मौके से बच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है, जिसमें फालत कुमार पुत्र व.सूरा रहे, हिमंशू पुत्र मंगज कुमार, संगम शर्मा पुत्र

बुजपाल और नेला गुरु पुत्री सुरेश चंद शामिल हैं। सभी आरोपी नूर नार सिवानी गेट, श्री काली मौर्य थाना आनंद ग्राम, गाजियाबाद के निवासी बताए जा रहे हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि विना अनुमति सार्वजनिक स्थान पर डीजे बजाकर कानून व्यवस्था को चुनौती देना गंभीर अपराध है। सभी आरोपियों के खिलाफ उचित थाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है और मामले को आगे की जांच के लिए जारी है।

अधिकारियों ने तहसील दिवस व सीएम हेल्लपडान की शिकायतों का किया निस्तारण

शाह टाइम्स संवाददाता भगवानपुर। उपजिलाधिकारी देवेंद्र सिंह नेगी के आदेश के अनुपालन में तहसील दिवस एवं सीएम हेल्लपडान से प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के लिए चकबंदी विभाग एवं राज्य विभाग की संयुक्त टीम गठित की गई तथा नियत दिनांक पर आर दिवसों को ग्राम सितारोंद विखरीटा तहसील भगवानपुर में खाल ताला की की लगभग 20 वर्षों से भी अधिक से बंद पाना गया। लगभग 160 मौरी लंबा बंद पाना था जिसमें ग्रामीणों के पानी की निकासी बसता का



एवं प्रतिदिन का पानी नहीं निकल पा रहा बसतत के दिनों में तो आबादी के अंदर घुस जाता था। आत चकबंदी विभाग से सहायक चकबंदी अधिकारी अजहरीन चकबंदी करता चकबंदी

कावड़ यात्रा : सफाई की जिम्मेदारी निकाय कर्मियों को पड़ रही भारी

शाह टाइम्स संवाददाता मंगेलीर। कावड़ यात्रा के बीच निकायों पर सफाई की जिम्मेदारी का भी अधिक बोझ है। ऐसे में सफाई की सारा रात काम में जुटे हैं। मंगेलीर में भी सफाई कर्मचारी सफाई व्यवस्था सुस्त रखने में दिन रात एक किए हुए हैं।

जानकारी के अनुसार नगर निकाय मंगेलीर के अधिवासी अधिकारी नीराह हसीन ने बताया कि कांवड़ मेले के दौरान कर्मचारियों को ड्यूटी अलग अलग पालियों में लगाई गई है इसके साथ ही कड़ा वाहन निरंतर



कावड़ यात्रा मार्ग पर घूमकर कड़ा उठाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूरा प्रयास है कि कावड़ मार्ग पर विशेष रूप से साफ सफाई रहे और शिवभक्तों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

लक्सर-रुड़की रोड पर बढ़ने लगी शिवभक्तों की भीड़ सुरक्षा व यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन मुस्तैद

शाह टाइम्स संवाददाता लक्सर। हरिद्वार कावड़ मेले में लक्सर रुड़की रोड पर शिव भक्तों की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। तहसील एव शासन प्रशासन की कावड़ मेला शांतिपूर्ण संपन्न करने के लिए सभी जगह पर पनी नजर गड़ी हुई है जैसे-जैसे कावड़ मेला नजदीक आता जा रहा है जैसे-जैसे सड़क पर लगातार शिव भक्तों की भीड़ बढ़ती जा रही है।

रुड़की बसराव शिव चौक बसेड़ी व लहरापुर फाटक पर पुलिस प्रशासन बड़ी मुस्ती से काम कर रहा है बड़े अधिकारी भी लगातार सभी जगह संपर्क

कर रहे हैं और अपने अधीनस्थ अधिकारियों को आदेशित कर कह रहे हैं कि कहीं भी कोई कमी कावड़ मेले में शिव भक्तों की सेवा में नहीं आनी चाहिए क्योंकि हरिद्वार में पूरे भारत से शिव भक्त अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए आते हैं। तहसील एव शासन प्रशासन की कावड़ मेला शांतिपूर्ण संपन्न करने के लिए सभी जगह पर पनी नजर गड़ी हुई है जैसे-जैसे कावड़ मेला नजदीक आता जा रहा है जैसे-जैसे सड़क पर लगातार शिव भक्तों की भीड़ बढ़ती जा रही है।

विजय कुमार बने सस्ता गल्ला विक्रेता नियामतपुर के डीलर

शाह टाइम्स संवाददाता लक्सर। तहसील क्षेत्र के नियामतपुर में सभी संबंधित अधिकारियों के द्वारा ग्राम बाजारों को बुजानकर सस्ता डीलर का चुनाव किया गया है जिसमें विजय कुमार राशन डीलर निर्वाचित हुए हैं। वीडियो खानपुर ने बताया कि 10 वर्षों से नियामतपुर में सस्ता गल्ला विक्रेता की दुकान नहीं थी जो लघु अधिकाधिक के आरोर अनुसर आज सस्ता गल्ला विक्रेता का चुनाव संपन्न किया गया। उन्होंने कहा विजय कुमार को 121 वोट मिले और दूसरे डीलर को 140 वोट प्राप्त हुए हैं जिससे विजय कुमार को सस्ता गल्ला विक्रेता नियामतपुर का राशन डीलर नियुक्त किया जा सकता है। नियामतपुर ग्राम पंचायत के द्वारा बताया गया कि हमारे गांव में आज राशन डीलर के चुनाव हुए हैं उन्होंने कहा कड़ी मेहनत के बाद आज नियामतपुर को नया राशन डीलर विजय कुमार के रूप में मिला है उन्होंने यह भी कहा कि इस चुनाव में दो प्रत्याशी आपने-सामने चुनाव में थे जिसमें विजय कुमार को सफलता मिली है उन्होंने कहा मैंने अपने से सभी ग्राम बाजारों को नया राशन डीलर चुने पर मैं सभी को बधाई देती हूं आज के चुनाव में जो राशन डीलर नियुक्त हुए हैं विजय कुमार ने कहा कि बहुत पर पूरे गांव का एकासन है जो मुझे आज नियामतपुर से राशन डीलर चुना गया है।

महमूर जी पटवारी सुनील कुमार तथा राज्य विभाग नायब तहसीलदार अनिल गुप्ता राज्य निरीक्षक लेखचंद गुप्ता क्षेत्रीय पटवारी दाउद अली एवं मोंहिए शीरी शिकायतकर्ता गण शिक के द्वारा सीएम हेल्लपडान एवं तहसील दिवस में शिकायत की गई। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ग्रामवासी एवं अवैध कब्जेदार पर पर मौजूद रहे। सभी की उपस्थिति में खाला नाले की मौके पर वैमाइश करके निशान देती कर दी गई जिससे संतुष्ट गवा गए तथा कब्जे प्रकरण का निस्तारण कर दिया गया है।

ट्रम्प की चाहत

अमेरिकी राष्ट्रपति दुनिया को कैसे चलाना चाहते हैं, उनकी टैरिफ को लेकर देशों को दी जा रही धमकियों से ही पता लग जाता है। उनकी आक्रामकता देखिए कि अभी भारत व अमेरिका के अधिकारियों के बीच ट्रेड व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल ही रही है, इस बीच उनका एक बड़ा दंभपूर्वक बयान भी आ गया।

ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी उत्पादों की जल्द भारत के बाजारों में पहुंच होने वाली है। उन्होंने यह दावा भी किया कि यह डील इंडोनेशिया फार्मूले वाली होगी। अमेरिकी उत्पादों पर भारत में जीरो टैरिफ लगेगा। दो दिन पहले ही अमेरिका ने इंडोनेशिया से इस तरह की डील की है, जिसमें इंडोनेशिया पर 19 फीसद टैरिफ लगाया गया है। अब एक अगस्त से इंडोनेशिया से अमेरिका जाने वाले सामानों पर 19 फीसद टैरिफ चुकाना होगा। वहीं अमेरिकी सामानों पर इंडोनेशिया में कोई टैरिफ नहीं देना होगा। ट्रम्प ने अपने ही अंदाज में यह भी कहा कि हमने कई बेहतरीन देशों से समझौते किए हैं हमारा एक और समझौता होने वाला है शायद भारत के साथ। उनका घमंडीपन यहीं नहीं थमता, वह बातचीत के बीच में यह भी बोल गए कि मुझे नहीं पता कि हम बातचीत कर रहे हैं। जब मैं लेटर भेजूंगा तो वह समझौता हो जाएगा।

इस तरह की भाषा वह तब बोल रहे हैं जब भारतीय वाणिज्य मंत्रालय की एक टीम अमेरिका पहुंची हुई है। जहां वह ट्रेड व्यापार को लेकर बातचीत करेंगे। बताया जा रहा है कि बातचीत सोमवार से शुरू भी हो गई और इसके गुरुवार तक चलने की उम्मीद है। ऐसे में इस तरह के बयानों का क्या मतलब है। जहां तक बात भारत की है, भारतीय अधिकारी चाहते हैं कि समझौते में भारत के लिए टैरिफ रेट 10 फीसदी से कम हो और इसके बदले में अमेरिका अपने उत्पादों के लिए भारत में रियायत चाहता है, लेकिन भारत स्पष्ट कहता रहा है कि वह अपने कृषि और डेरी क्षेत्रों को विदेशी कंपनियों के लिए नहीं खोलेगा। हां भारत जरूर गैर कृषि क्षेत्रों में समझौता करने को तैयार है। अब यह तो तभी पता चलेगा जब किसी तरह का कोई समझौता सामने आता, लेकिन ट्रम्प का व्यवहार यही बता रहा है कि उन्हें किसी समझौते की परवाह नहीं है और वह अपनी शर्तों पर ही समझौता करना चाहते हैं। यह किसी भी संप्रभु राष्ट्र के लिए कोई सम्मानजनक बात नहीं हो सकती।

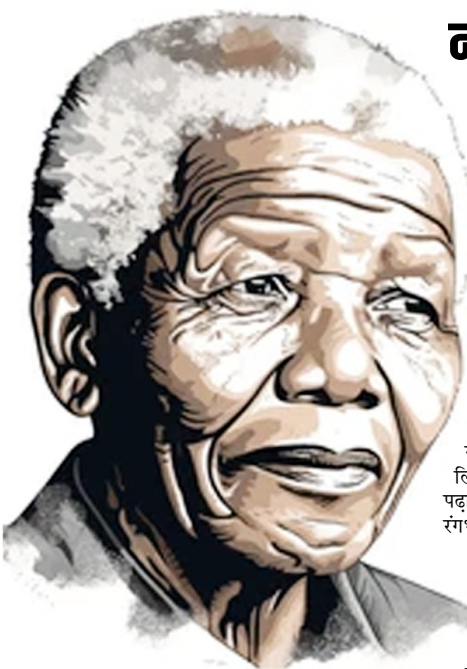
हालांकि भारत की तरफ से अभी तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई और यह ठीक ही है, क्योंकि जब तक दोनों देशों के बीच चल रही ट्रेड वार्ता किसी नतीजे पर नहीं पहुंचती तब तक किसी प्रतिक्रिया का कोई मतलब नहीं है, लेकिन डोनाल्ड ट्रम्प को इससे फर्क नहीं पड़ता कि बातचीत चल रही है या नहीं। गुरुवार को एक तरह से उन्होंने अपना फरमान सुना दिया। डोनाल्ड ट्रम्प पहले भी कह चुके हैं कि जो देश रूस के साथ व्यापार करेंगे, उससे तेल व गैस लेंगे वे उसके कोपभाजन का शिकार होंगे और बदले में उन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकता है। लगता है कि ट्रम्प को इस बात की भी कोई परवाह नहीं है कि दुनिया उनके विषय में क्या सोच रही है। यह दुखद है कि ट्रम्प व्यापार को युद्ध के रूप में ले रहे हैं।

ईश्वरीय भक्ति के बाद आती है स्वच्छता

वातावरण को स्वच्छ रखने की परंपरा हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग है व सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक चेतना प्राचीन काल से ही स्वच्छता पर बल देती रही है, हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना प्राचीन काल से ही स्वच्छता पर बल देती रही है। अपने घरों, पूजा स्थलों और आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखने की परंपरा हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग रही है, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे, स्वच्छता ईश्वरीय भक्ति के बाद आती है, वे स्वच्छता को धर्म, अध्यात्म और नागरिक जीवन की आधारशिला मानते थे, न्यूनतम संसाधनों का उपयोग करके अपव्यय को न्यूनतम करना और उन्हें अन्य उद्देश्य के लिए पुनः उपयोग करना, हमेशा से हमारी जीवनशैली का हिस्सा रहा है।



—द्रौपदी मुर्मु, राष्ट्रपति



नेल्सन मंडेला, एक ऐसा नाम, जो समस्त विश्व समुदाय के लिए मानवता, साहस, सहिष्णुता और संघर्ष का प्रतीक बन गया है। प्रतिवर्ष 18 जुलाई को नेल्सन मंडेला अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है, जो न केवल इस महान नेता को श्रद्धांजलि देने का दिन है बल्कि यह पूरी दुनिया को यह संदेश भी देता है कि परिवर्तन लाने के लिए केवल शब्द नहीं बल्कि कर्म आवश्यक हैं। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि समाज में बदलाव लाने के लिए हम सभी की भूमिका होती है और प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में दूसरों के लिए कुछ कर सकता है। नेल्सन मंडेला का जन्म 18 जुलाई 1918 को दक्षिण अफ्रीका के म्वेजो नामक गांव में हुआ था। वे थम्बू कुल की एक शाखा मदिवा जनजाति से थे और उनका मूल नाम रोहिलाहला मंडेला था, जिसका अर्थ होता है शायरगी। उन्हें नेल्सन नाम उनके स्कूल शिक्षक ने अंग्रेजी नामों को परंपरा के तहत दिया था। उनका जीवन एक सामान्य अफ्रीकी बच्चे की तरह शुरू हुआ लेकिन उनके भीतर असाधारण नेतृत्व क्षमता और अन्याय के प्रति गहरी संवेदना थी, जिसने उन्हें बाद में एक क्रांतिकारी नेता बना दिया।

मानसून की ठंडी बरसाती शामें अपना अलग ही आनंद लेकर आती हैं, और अगर ऐसे मौसम में कुछ गरमागरम खाने को मिल जाए, तो मजा दोगुना हो जाता है। आमतौर पर लोग समोसे, ब्रेड पकोड़े या तरह-तरह के पकौड़े जैसे पारंपरिक भारतीय व्यंजन खाना पसंद करते हैं। लेकिन अगर आप इनसे कुछ हटकर खाना चाहते हैं, तो क्या विकल्प हैं? आइए आपको बताते हैं कुछ ऐसे स्वादिष्ट और देसी स्नैक्स के बारे में, जो बरसात की इन भीगी-भीगी शामों को और भी यादगार बना देंगे।

आलू टिक्की- दही, हरी और इमली की चटनी, सेव और अगर के दानों के साथ परोसी जाने वाली गरमा-गरम आलू टिक्की बरसात के मौसम में एक परफेक्ट स्टीर फूड है। चटपटे स्वाद के साथ हर बाइट में मिलेगा ताजगी और मजा।

भुट्टा- कोयले पर भुना हुआ भुट्टा, जिस पर नींबू, नमक और लाल मिर्च पाउडर छिड़का हो, मानसून की पहचान बन चुका है। सड़क किनारे भुट्टा खाते-खाते बारिश का आनंद लेना एक अलग ही अनुभव है।

वड़ा पाव- मुंबई की शान वड़ा पाव, गरमागरम आलू वड़ा के साथ, हरी और लहसुन की चटनी लगे पाव

नस्लवाद को हराने वाला मानवता का योद्धा

नेल्सन मंडेला

नेल्सन मंडेला की शिक्षा की शुरुआत क्लार्कबरी मिशनरी स्कूल से हुई। आगे की पढ़ाई के लिए उन्होंने फोर्ट हेयर यूनिवर्सिटी और जोहान्सबर्ग स्थित विटवाटर सैंड विश्वविद्यालय में दाखिला लिया, जहां उन्होंने कानून की पढ़ाई की। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने रंगभेद नीति और सामाजिक असमानताओं के विरुद्ध आवाज उठानी शुरू कर दी थी। दक्षिण अफ्रीका में उस समय श्वेत अल्पसंख्यक सरकार द्वारा अপরथाइड नामक नस्लीय भेदभाव की क्रूर नीति लागू थी, जिसके अंतर्गत अश्वेतों को बुनियादी अधिकारों से वंचित रखा गया था। उन्हें वोट देने, जमीन रखने, शिक्षा प्राप्त करने, अस्पतालों में इलाज करवाने और बसों-रेस्तरां जैसी सार्वजनिक सेवाओं का समान उपयोग करने का अधिकार नहीं था।

मंडेला ने इन्हीं अन्यायपूर्ण नीतियों के खिलाफ संघर्ष का विगुल बजाया। वे 1944 में अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस से जुड़े गए और जल्द ही संगठन के युवा विंग के संस्थापक बन गए। अहिंसा और शांतिपूर्ण आंदोलनों के जरिए उन्होंने सरकार पर दबाव बनाना शुरू किया लेकिन जब उन्हें लगा कि सरकार की दमनकारी नीति अहिंसात्मक विरोध को कुचलने पर आमादा है तो उन्होंने उमखोंतो वे सिजवे नामक एक सशस्त्र संगठन की स्थापना की, जो दक्षिण अफ्रीका में क्रांति का आरंभ था।

1962 में मंडेला को गिरफ्तार कर लिया गया और उन पर देशद्रोह, हिंसा भड़काने और विदेशी सहायता प्राप्त करने के आरोप लगाए गए। उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई और उन्होंने अपना अधिकांश समय कुख्यात रॉबेन द्वीप की जेल में बिताया। यह सजा कुल 27 वर्षों की



योगेश कुमार गोयल

उनके जीवन के योगदान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला। 1993 में उन्हें शांति का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया। 1990 में उन्हें भारत सरकार ने भारत रत्न से सम्मानित किया और वे यह सम्मान पाने वाले पहले विदेशी व्यक्ति बने। इसके अलावा उन्हें संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका, रूस, फ्रांस जैसे अनेक देशों और संस्थाओं ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया। 2009 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 18 जुलाई को नेल्सन मंडेला अंतर्राष्ट्रीय दिवस घोषित किया ताकि लोग उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज के लिए स्वयं को समर्पित कर सकें। इस दिन दुनियाभर में सामाजिक सेवा, मानवाधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य और समानता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र का संदेश है कि हर व्यक्ति इस दिन कम से कम 67 मिनट समाजसेवा को समर्पित करे, जो मंडेला के सार्वजनिक जीवन के 67 वर्षों के प्रतीक हैं।

नेल्सन मंडेला का जीवन केवल दक्षिण अफ्रीका तक सीमित नहीं था। उन्होंने दुनिया को यह सिखाया कि सच्चे नेता वह होते हैं, जो अपने कष्टों को व्यक्तिगत नहीं मानते बल्कि उसे जनकल्याण की प्रेरणा बना देते हैं। उन्होंने यह भी दिखाया कि नेतृत्व का अर्थ अधिकार नहीं, जिम्मेदारी है। वे जब राष्ट्रपति बने तो केवल एक कार्यकाल तक सत्ता में रहे जबकि वे चाहते तो आजीवन शासन कर सकते थे पर उन्होंने सत्ता को साध्य नहीं, साधन माना। 5 दिसंबर 2013 को 95 वर्ष की आयु में नेल्सन मंडेला ने अंतिम सांस ली। उनके निधन पर पूरी दुनिया ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

(ये लेखक को निजी विचार हैं)

बारिश में खाएं ये स्वादिष्ट भारतीय स्नैक्स

आमतौर पर बारिश के मौसम में लोग समोसे, ब्रेड पकोड़े या तरह-तरह के पकोड़े जैसे पारंपरिक भारतीय व्यंजन खाना पसंद करते हैं। लेकिन अगर आप इनसे कुछ हटकर खाना चाहते हैं, तो क्या विकल्प हैं?

मानसून की ठंडी बरसाती शामें अपना अलग ही आनंद लेकर आती हैं, और अगर ऐसे मौसम में कुछ गरमागरम खाने को मिल जाए, तो मजा दोगुना हो जाता है। आमतौर पर लोग समोसे, ब्रेड पकोड़े या तरह-तरह के पकोड़े जैसे पारंपरिक भारतीय व्यंजन खाना पसंद करते हैं। लेकिन अगर आप इनसे कुछ हटकर खाना चाहते हैं, तो क्या विकल्प हैं? आइए आपको बताते हैं कुछ ऐसे स्वादिष्ट और देसी स्नैक्स के बारे में, जो बरसात की इन भीगी-भीगी शामों को और भी यादगार बना देंगे।

आलू टिक्की- दही, हरी और इमली की चटनी, सेव और अगर के दानों के साथ परोसी जाने वाली गरमा-गरम आलू टिक्की बरसात के मौसम में एक परफेक्ट स्टीर फूड है। चटपटे स्वाद के साथ हर बाइट में मिलेगा ताजगी और मजा।

भुट्टा- कोयले पर भुना हुआ भुट्टा, जिस पर नींबू, नमक और लाल मिर्च पाउडर छिड़का हो, मानसून की पहचान बन चुका है। सड़क किनारे भुट्टा खाते-खाते बारिश का आनंद लेना एक अलग ही अनुभव है।

वड़ा पाव- मुंबई की शान वड़ा पाव, गरमागरम आलू वड़ा के साथ, हरी और लहसुन की चटनी लगे पाव

में मिलकर मानसून का स्वाद और भी बढ़ा देता है।

साबूदाना वड़ा- बाहर से क्रिस्पी और अंदर से सॉफ्ट साबूदाना वड़ा मूंगफली और हल्के मसालों के साथ तैयार किया जाता है। चाय के साथ इसका आनंद बरसात में दोगुना हो जाता है।

कचौरी- मसालेदार आलू की सब्जी के साथ गरमागरम कचौरी, ठंडी बारिश की शाम में दिल और पेट दोनों को सुकून देती है।

ब्रेड पकोड़ा- ब्रेड में आलू की मसालेदार स्टीफिंग भरकर बेसन में लपेटकर तला जाता है। इसे हरी चटनी और टमैटो सॉस के साथ खाएं और मौसम के मजे लें।

भुना चना- हल्का, कुरकुरा और हल्दी स्नैक, भुना चना प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होता है। जब कुछ हल्का खाने का मन हो, तो ए परफेक्ट विकल्प है।

मखाना- हल्दी, सेंधा नमक या अपने पसंदीदा मसालों में भुने हुए मखाने न सिर्फ कुरकुरे हैं बल्कि सेहत के लिए भी अच्छे हैं।

फ्रूट चाट- ताजे फलों पर नींबू, काला नमक और



चाट मसाला डालकर तैयार की गई फूट चाट स्वादिष्ट और पोषिक दोनों होती है, खासतौर पर बच्चों के लिए।

अंकुरित सलाद- अंकुरित दालों को प्याज, टमाटर, नींबू और मसालों के साथ मिलाकर एक हेल्दी और एनर्जी से भरपूर स्नैक तैयार किया जा सकता है।

मसालेदार सेवई- सब्जियों के साथ बनी नमकीन सेवई एक हल्का लेकिन स्वादिष्ट स्नैक है, जो मानसून के दिनों में पेट और मन दोनों को राहत देता है।

पोहा चीला- पोहा और बेसन से बना चीला झटपट बनने वाला और हेल्दी स्नैक है, जो चाय के साथ शानदार लगता है।

—साभार प्रभा

ब्रांडेड और जेनेरिक दवाओं के बीच झूलता आम आदमी

भारत में स्वास्थ्य सेवा एक ऐसा क्षेत्र है, जहां लाखों लोग अपनी जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए दवाओं पर निर्भर हैं, लेकिन दवाओं के बाजार में एक बड़ा सवाल हमेशा चर्चा में रहता है, ब्रांडेड दवाएं या जेनेरिक दवाएं? इन दोनों के बीच का अंतर और इनका महत्व समझना न केवल आम जनता के लिए जरूरी है, बल्कि यह भी जानना जरूरी है कि कैसे फार्मास्यूटिकल कंपनियां भोले-भाले ग्राहकों का शोषण कर रही हैं। यह एक ऐसा विषय है जिसने दर्द के व्यापार को काफी बढ़ावा दिया है।

सबसे पहले, हमें यह समझना होगा कि ब्रांडेड और जेनेरिक दवाएं क्या हैं? ब्रांडेड दवाएं वे होती हैं, जो किसी फार्मास्यूटिकल कंपनी द्वारा अपने ब्रांड नाम के तहत बेची जाती हैं। ये दवाएं आमतौर पर महंगी होती हैं, क्योंकि इनमें कंपनी का ब्रांड वैल्यू, मार्केटिंग लागत और अनुसंधान और विकास का खर्च शामिल होता है। दूसरी ओर, जेनेरिक दवाएं वही दवाएं होती हैं, जिनमें वही सक्रिय रासायनिक तत्व Active Pharmaceutical Ingredient होते हैं, जो ब्रांडेड दवाओं में होते हैं, लेकिन इन्हें किसी ब्रांड नाम के तहत नहीं बेचा जाता। जेनेरिक दवाएं आमतौर पर सस्ती होती हैं, क्योंकि इनमें मार्केटिंग और ब्रांडिंग का खर्च नहीं होता। उदाहरण के तौर पर, क्रोसिन का जेनेरिक विकल्प पैरासिटामोल है, जो उसी तरह काम करता है, लेकिन इसकी कीमत बहुत कम होती है।

भारत जैसे देश में, जहां अधिकांश आबादी मध्यम और निम्न-आय वर्ग से आती है, जेनेरिक दवाओं का

महत्व बहुत अधिक है। ये दवाएं न केवल सस्ती होती हैं, बल्कि गुणवत्ता में भी ब्रांडेड दवाओं के समान होती हैं। भारत सरकार ने जेनेरिक दवाओं का बढ़ावा देने के लिए जन औषधि योजना शुरू की है, जिसके तहत देश भर में जन औषधि केंद्र खोले गए हैं। इन केंद्रों पर जेने. रिक दवाएं ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50-90 प्रतिशत तक सस्ती मिलती हैं।

उदाहरण के लिए, एक ब्रांडेड दवा, जैसे कि टेल्लिसार्टन जो उच्च रक्तचाप के लिए उपयोग की जाती है, की 10 गोलियों की कीमत 200-300 रूपए हो सकती है। वहीं, टेल्लिसार्टन की जेनेरिक दवा की कीमत 20-50 रूपए हो सकती है। यह अंतर गरीब और मध्यम वर्ग के मरीजों के लिए बहुत बड़ा है, जो अपनी जिंदगी बचाने के लिए इन दवाओं पर निर्भर हैं।

जानकारों के मुताबिक फार्मास्यूटिकल कंपनियों की लूट का सबसे बड़ा कारण उनकी मार्केटिंग रणनीति और ब्रांडिंग है। ये कंपनियां ब्रांडेड दवाओं को बढ़ावा देने के लिए भारी मात्रा में पैसा खर्च करती हैं। डॉक्टरों को मुफ्त नमूने, विदेश यात्राएं और अन्य प्रलोभन दिए जाते हैं ताकि वे मरीजों को ब्रांडेड दवाएं लिखें। इसका नतीजा यह होता है कि मरीज, जो ज्यादातर दवाओं की तकनीकी जानकारी से अनजान होते हैं, महंगी दवा खरीदने के लिए मजबूर हो जाते हैं।

इसके अलावा, कई फार्मा कंपनियां एक ही दवा को अलग-अलग ब्रांड नामों से भी बेचती हैं, जिससे बाजार में भ्रम पैदा होता है। उदाहरण के लिए, पैरासिटामोल को विभिन्न कंपनियों क्रोसिन, कैल्पोल वी डोलो आदि नामों से बेचती हैं, लेकिन इन सभी में



एक ही सक्रिय तत्व होता है। मरीजों को लगता है कि ब्रांडेड दवा ज्यादा प्रभावी होगी, जबकि हकीकत में जेनेरिक दवा भी उतनी ही प्रभावी होती है।

भारत में जेनेरिक दवाओं के प्रति कई मिथक प्रचलित हैं, जो फार्मा कंपनियों द्वारा फैलाए गए हैं। एक आम धारणा है कि जेनेरिक दवाएं कम गुणवत्ता वाली होती हैं। यह पूरी तरह गलत है। भारत में जेनेरिक दवाओं का निर्माण ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के तहत सख्त नियमों के अधीन होता है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया यह सुनिश्चित करता है कि जेने. रिक दवाएं गुणवत्ता और प्रभावशीलता में ब्रांडेड दवाओं के बराबर हों।

हालांकि, कुछ छोटी दवा कंपनियां, जो जेनेरिक दवाएं बनाती हैं, गुणवत्ता नियंत्रण में कमी कर सकती

हैं। लेकिन यह समस्या केवल जेनेरिक दवाओं तक सीमित नहीं है, कुछ ब्रांडेड दवाओं में भी गुणवत्ता की कमी देखी गई है। इसलिए, मरीजों को चाहिए कि वे केवल विश्वसनीय जगह औषधि केंद्रों या लाइसेंस प्राप्त फार्मसी से ही दवाएं खरीदें। भारत सरकार ने जेनेरिक दवाओं को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। जन औषधि केंद्रों की संख्या बढ़ाने, जागरूकता अभियान चलाने और डॉक्टरों को जेनेरिक दवाएं लिखने के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है। साथ ही, मरीजों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। उन्हें अपने डॉक्टर से पूछना चाहिए कि क्या जेनेरिक दवा उपलब्ध है और क्या वह ब्रांडेड दवा का विकल्प हो सकती है।

फार्मा कंपनियों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी



रजनीश कापूर

चाहिए। मुनाफा कमाना गलत नहीं है, लेकिन मरीजों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ करना अनैतिक है। सरकार को ऐसी नीतियां लागू करनी चाहिए, जो फार्मा कंपनियों को जेनेरिक दवाओं के उत्पादन और वितरण में प्रोत्साहित करें। साथ ही, दवाओं की कीमतों पर सख्त नियंत्रण होना चाहिए ताकि मरीजों को उचित मूल्य पर दवाएं मिल सकें। ब्रांडेड और जेनेरिक दवाओं के बीच का अंतर केवल नाम और कीमत का है, प्रभावशीलता का नहीं। भारत जैसे देश में, जहां स्वास्थ्य सेवाएं पहले से ही कई लोगों के लिए सुलभ नहीं हैं, जेनेरिक दवाएं एक वरदान हैं, लेकिन फार्मा कंपनियों के लालच और भ्रामक मार्केटिंग के कारण मरीजों को अनावश्यक रूप से महंगी दवाएं खरीदनी पड़ रही हैं। यह समय है कि हम जागरूक हों, जेनेरिक दवाओं को अपनाएं और सरकार से मांग करें कि वह दवा बाजार में पारदर्शिता और नियंत्रण सुनिश्चित करे। केवल जागरूकता और सही नीतियों के माध्यम से ही हम इस लूट को रोक सकते हैं और हर भारतीय को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर सकते हैं।

(ये लेखक को निजी विचार हैं)

दो सहयोगी दलों का समर्थन वापिस, धार्मिक छात्रों को मिलिट्री सर्विस में छूट से फूटा गुस्सा

इजरायल में इगमगाया नेतन्याहू का सिंहासन

CMYK

तेल अविव। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार अल्पमत में आ गई है। अति-रूढ़िवादी शास पार्टी ने सरकार से समर्थन वापस लेने का ऐलान किया। इससे एक दिन पहले यूनाइटेड टोरा जुडाइज्म (यूटीजे) पार्टी भी इस सरकार से अलग हो गई थी। इजरायल की 120 सीटों वाली संसद (नेसेट-निचला सदन) में सरकार बनाने के लिए 61 सीटें चाहिए। इन दोनों पार्टियों के अलग होने से सत्तारूढ़ गठबंधन के पास सिर्फ 50 सीटें बची हैं। शास पार्टी ने गठबंधन छोड़ने के मुद्दे पर कहा-भारी मन से हमें यह स्वीकार करना पड़ रहा है कि हम सरकार का हिस्सा नहीं रह सकते। हालांकि, हम इस सरकार को अस्थिर करने की कोशिश नहीं करेंगे और कुछ कानूनों पर गठबंधन का समर्थन कर सकते हैं।

विवाद की मुख्य वजह रूढ़िवादी धार्मिक छात्रों की मिलिट्री सर्विस से मिलने वाली छूट है। ये छात्र लंबे समय से अनिवार्य मिलिट्री सर्विस से छूट ले रहे हैं। नेतन्याहू सरकार ने हाल ही में इस छूट को सीमित करने के लिए एक बिल लेकर आई थी, जिसकी वजह शास पार्टी और यूटीजे ने सरकार से अलग होने का फैसला किया। दोनों पार्टियों का कहना है कि धार्मिक छात्रों के सेना में भर्ती होने से उनकी धार्मिक जीवनशैली को खतरा



इजरायल की 120 सीटों वाली संसद (नेसेट-निचली सदन) में सरकार बनाने के लिए 61 सीटें चाहिए

हेग समूह ने की इजरायल के खिलाफ प्रतिबंधों की घोषणा

बोगोटा। इजराइल के खिलाफ लगभग 30 देशों वाले 'हेग समूह' ने समन्वित कानूनी और कूटनीतिक लामबंदी करते हुए उसके साथ हथियारों एवं सैन्य वस्तुओं के व्यापार को निर्लंबित करने और इजराइली जहाजों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। समूह ने जारी एक संयुक्त बयान में कहा कि हम इजराइल को हथियारों, युद्ध सामग्री, सैन्य ईंधन, संबंधित सैन्य उपकरणों और दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं की आपूर्ति या हस्तांतरण को रोकने, किसी भी बंदरगाह पर उसके जहाजों के पारगमन, डॉकिंग और सर्विसिंग को रोकने, हमारे झंडे वाले जहाजों पर इजराइल को हथियार, युद्ध सामग्री, सैन्य ईंधन, संबंधित सैन्य उपकरणों और दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं की दुलाई को रोकने जैसे प्रतिबंधों की घोषणा करते हैं। बोगोटा में एक मॉनिस्टरीय बैठक के बाद हेग समूह के सदस्य देशों ने अपनी सरकारी एजेंसियों और इजरायल के बीच लेन-देन रोकने, सभी सार्वजनिक अनुबंधों की तत्काल समीक्षा करने, सार्वजनिक संस्थानों एवं निधियों को फलस्तीनी क्षेत्र पर इजरायल के अवैध कब्जे का समर्थन करने और उसकी अवैध मौजूदगी को रोकने पर सहमति व्यक्त की।

होगा। हालांकि, कई अन्य यहूदी इजरायली इसे स्पेशल सुविधा मानते हैं और इस पर नाराजगी जताते हैं। बिल के विरोध में रूढ़िवादी धार्मिक छात्रों का कहना है कि वो जेल जाने के लिए तैयार हैं, लेकिन आर्मी में नहीं जाएंगे। गाजा युद्ध के दौरान यह मुद्दा और गंभीर हो गया है। इस युद्ध में सैकड़ों इजरायली सैनिकों की मौत हो चुकी है, जिसकी वजह से अल्ट्रा-आर्थोडॉक्स समुदाय पर आरोप

लग रहे हैं कि वे दूसरों के लिए युद्ध में जान देने वालों के मुकाबले पीछे हट रहे हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह गठबंधन विवाद तुरंत नेतन्याहू की सरकार नहीं गिराएगा। हालांकि, यह इजरायल की राजनीति में और अस्थिरता लाएगा, खासकर जब गाजा में युद्धविराम और लेबनान व सीरिया में चल रहे संघर्ष को लेकर नेता आपस में टकरा रहे हैं। इजरायल और हमस के बीच युद्ध को जल्द ही तीन साल पूरे होने वाले हैं। अल जजीरा के मुताबिक इस युद्ध में अब तक 888 इजरायली सैनिक मारे जा चुके हैं। वहीं, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुता. बिक, अक्टूबर 2023 में शुरू हुए युद्ध के बाद से इजरायली हमलों में गाजा के 58573 लोग मारे गए हैं और 139607 अन्य घायल हुए हैं। गाजा के मीडिया कार्यालय (जोएएमओ) ने इजरायल पर आरोप लगाया कि वह गाजा पर्टी से फलस्तीनी आबादी खाली करने की साजिश रच रहा है। आफिस ने कहा कि इजरायली सेना जबरन बेदखली, बमबारी और सहायता रोककर गाजा को तबाह कर रही है। यह नरसंहार है। जोएएमओ ने दावा किया था कि गाजा का 70 प्रतिशत से ज्यादा बिल्डिंग्स तबाह हो चुकी हैं और 19 लाख लोग (85 प्रतिशत आबादी) बेघर हो गए हैं।



उत्तर प्रदेश। प्रयागराज में बारिश के बीच छाता लगाकर स्कूल जाती छात्राएं।

CMYK

यूक्रेन की प्रधानमंत्री बनीं यूलिया स्विरीडेंको

कीव। यूलिया स्विरीडेंको अब यूक्रेन की नई प्रधानमंत्री बन गई हैं। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने उनके नाम की सिफारिश की थी। इसके बाद यूक्रेनी संसद ने उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में चुन लिया। यूलिया पहले डिप्टी पीएम और अर्थव्यवस्था मंत्री थीं। उनकी उम्र 39 साल है और वे पेशे से अर्थशास्त्री हैं। उन्होंने 2020 से पीएम पद पर काबिज डेनिस शिमहाल को जगह ली है। बतौर डिप्टी पीएम स्विरीडेंको ने इस साल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ खनिज डील कराने में अहम भूमिका निभाई थी, जिसके बाद उनकी बेहद तारीफ हुई थी। नई कैबिनेट में कुछ और बदलाव भी हुए हैं। शिमहाल अब भी कैबिनेट में रहेंगे लेकिन रक्षा मंत्री नहीं होंगे। उनकी जगह रुस्तम उमरोव पहले से ही रक्षा मंत्री बने रहेंगे। पहले जेलेंस्की ने शिमहाल को रक्षा मंत्री बनाने की बात कही थी। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने एक दिन पहले यानी 16 जुलाई को पुरानी कैबिनेट को भंग कर दिया था। इसके बाद उन्होंने नई सरकार के लिए अपने चुने हुए लोगों की सूची संसद को दी। जेलेंस्की की पार्टी 'सर्वेंट ऑफ द पीपल' 2019 से 254 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत में है।

बलूचिस्तान में 20 पाक सैनिक मारे गए

क्वेटा। बलूचिस्तान में पाकिस्तानी आर्मी पर विद्रोहियों के हमलों में पाक आर्मी के एक मेजर समेत 20 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत की खबर है। ये हमले पिछले 12 घंटों में अवारान, क्वेटा और कलत जिलों में हुए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ये हमले सैन्य चौकियों को निशाना बनाकर किए गए थे।

हालांकि, इन हमलों की जिम्मेदारी अभी तक किसी ग्रुप ने नहीं ली है, लेकिन इसमें फितना अल हिंदुस्तान और बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के शामिल होने का शक है। वहीं, बलूचिस्तान के कालात में एक यात्री बस पर हमला हुआ, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई और 13 लोग घायल हो गए। पाकिस्तानी मीडिया डॉन के मुताबिक, हमलावरों ने क्वेटा-कराची हाईवे पर भेमांग इलाके में घात लगाकर बस को रोका और अंधाधुंध

सैन्य चौकियों को निशाना बनाया

■ हमले में बलूच लिबरेशन आर्मी के शामिल होने का शक

गोलीबारी की। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिद ने बताया कि सुरक्षा बलों और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और हमलावरों की तलाश में अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि हमलावरों ने सड़क के दोनों ओर से हमला किया। मुख्यमंत्री मिर्जा सरकाराज बुगती ने इस हमले की निंदा की और इसे फितना अल हिंदुस्तान आतंकी संगठनों का काम बताया। उन्होंने कहा- निर्दोष नागरिकों पर हमला गंभीर अपराध है।

इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, यह हमला उस दिन हुआ

जब सुरक्षा बलों ने अवारन इलाके में फितना अल हिंदुस्तान से जुड़े तीन आतंकवादियों को मार गिराया। इसमें पाकिस्तानी सेना का एक अधिकारी मेजर सैयद रस नवाज तारिक मारा गया। इसी बस पर हमला हुआ था। जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई और 13 लोग घायल हो गए। इस्लामाबाद स्थित थिंक टैंक पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फार कान्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी (पीआईसीएसएस) की रिपोर्ट बताती है कि मई 2025 में देश में कुल 85 आतंकी हमले हुए। इनमें बलूचिस्तान सबसे ज्यादा प्रभावित रहा। यहां अकेले 35 हमले हुए जिनमें 51 लोगों की मौत और 100 से ज्यादा घायल हुए। इनमें नागरिकों की संख्या सबसे ज्यादा है। हमलों में 30 आम लोग, 18 सुरक्षाकर्मी और 3 आतंकी मारे गए।

इराक के मॉल में भीषण आग से 61 की मौत, 45 झुलसे

बगदाद। इराक के अल कुत शहर में एक नए बने मॉल में बुधवार देर शाम आग लगने से कम से कम 61 लोगों की मौत हो गई और 45 अन्य झुलस गए। इराकी न्यूज एजेंसी ने जानकारी दी है कि यह पांच मंजिला हाइपरमार्केट मॉल एक सप्ताह पूर्व ही खुला था। इसमें सामान की दुकानों के अलावा खाने पीने की चीजों की भी कई दुकानें थीं। घटना के समय वहां कई परिवार खाना खा रहे थे। आग की जानकारी मिलते ही दमकल कर्मी वहां पहुंचे और बचाव कार्य शुरू कर दिया। इससे वहां मौजूद कई लोगों को बचा भी लिया गया। सरकार ने तीन दिनों का शोक घोषित किया है और मामले की जांच के लिए एक दल का गठन कर दिया है जो दो दिनों में अपनी रिपोर्ट देगा। मॉल के मालिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मुझे कुछ हुआ, तो मुनीर जिम्मेदार

पूर्व पीएम ने कहा: मेरी बीबी के साथ भी बुरा बर्ताव, रिहाई के लिए पांच अगस्त से देशभर में प्रदर्शन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि अगर उन्हें कुछ हुआ तो इसके जिम्मेदार सेना प्रमुख आसिम मुनीर होंगे। इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पीटीआई के मुताबिक इमरान ने कहा कि हाल के दिनों में जेल में उनके और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के साथ बुरा व्यवहार बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी के सेल में टेलीविजन भी बंद कर दिया गया है और कैदियों के बुनियादी मानवाधिकार नहीं दिए जा रहे। इमरान ने पाकिस्तानी जनता से इस खराब व्यवस्था का विरोध करने की अपील की। पीटीआई 5 अगस्त से इमरान की रिहाई के लिए प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इमरान के दो बेटे इस प्रदर्शन में खास भूमिका निभा सकते हैं। ये दोनों लंदन में रहते हैं। इमरान खान ने कहा- दोषी ठहराए गए हत्याओं और आतंकवादियों को भी उनसे बेहतर हालात में रखा जाता है। उन्होंने एक दूसरे सैन्यकर्मी का



■ दोषी ठहराए गए हत्याओं और आतंकवादियों को भी उनसे बेहतर हालात में रखा जाता है: इमरान

हवाला देते हुए बताया कि वह जेल में वीआईपी ट्रीटमेंट का आनंद ले रहा है। उन्होंने आगे कहा कि इस बीच, मुझे लगातार इस प्रदर्शन में खास भूमिका निभा सकते हैं। ये दोनों लंदन में रहते हैं। इमरान खान ने कहा- दोषी ठहराए गए हत्याओं और आतंकवादियों को भी उनसे बेहतर हालात में रखा जाता है। उन्होंने एक दूसरे सैन्यकर्मी का

इमरान ने लगभग एक महीने पहले किए गए अपने उस दावे को भी दोहराया कि उनकी पत्नी बुशरा बीबी के खिलाफ उत्पीड़न उनके प्रधानमंत्री कार्यकाल के समय की घटना है। इमरान ने कहा कि जब असीम मुनीर को आईएसआई प्रमुख के पद से हटाया गया, तो उन्होंने जुल्फी बुखारी (पीटीआई नेता) के जरिए बुशरा बीबी को एक मैसेज भेजकर मुलाकात का अनुरोध करने की कोशिश की। जिससे उन्होंने साफ इन्कार कर दिया। इमरान ने दावा किया की असीम मुनीर उनसे निजी दुश्मनी का बदला लेने और भावनात्मक रूप से तोड़ने के लिए ऐसा कर रहे हैं। इमरान खान की रावलपिंडी की अड्डियाला जेल में बंद रखा गया है। इमरान की पार्टी पीटीआई 5 अगस्त से देशव्यापी प्रदर्शन शुरू करने की तैयारी कर रही है, ताकि उनकी रिहाई के लिए शाहबाज शरीफ सरकार और सैन्य प्रतिष्ठान पर दबाव बनाया जा सके। पार्टी ने इसे 'इमरान खान को आजाद करो' अभियान नाम दिया है।

बांग्लादेश में हिंसा फायरिंग में चार की मौत, 9 घायल

ढाका। बांग्लादेश के गोपालगंज शहर में युवाओं के नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) की एक रैली में हिंसा भड़क उठी। हिंसा के दौरान पुलिस की फायरिंग में चार लोगों की मौत हो गई। 9 लोग घायल होने से घायल हैं। गोपालगंज बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की गृहनगर है। बांग्लादेश की प्रथम अलो न्यूज एजेंसी के अनुसार, एनसीपी की रैली के दौरान शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के समर्थक पुलिस से भिड़ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अवामी लीग समर्थकों ने पुलिस पर लाठी-डंडों, ईंट-पत्थरों से पुलिस, सेना और पैरामिलिट्री फोर्स पर हमला कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस और स्थानीय प्रशासनिक प्रमुख

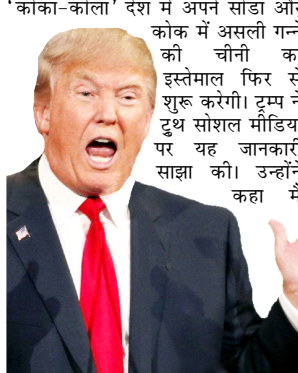
■ शेख हसीना के गृहनगर में रैली के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस में झड़प हुई

के वाहनों में भी तोड़फोड़ की। साथ ही एनसीपी के काफिले पर भी हमला किया, जिसके बाद सुरक्षाबलों को गोलीयां चलानी पड़ी।

सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले और साइंड ग्रेनेड भी फेंके। हिंसा में मारे गए लोगों में से तीन की पहचान दीप्टो साहा (25 साल), रमजान काजी (18 साल) और सोहेल मोल्ला (41 साल) के रूप में हुई है। डॉक्टरों ने बताया कि मृतकों को घायल अवस्था में गोपालगंज जनरल अस्पताल लाया गया था।

कोका-कोला में गन्ने की चीनी का होगा इस्तेमाल: डोनाल्ड ट्रम्प

न्यूयार्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा की है कि अटलांटा स्थित शीतल पेय की दिग्गज कंपनी 'कोका-कोला' देश में अपने सोडा और कोक में असली गन्ने की चीनी का इस्तेमाल फिर से शुरू करेगी। ट्रम्प ने दृढ़ सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने कहा मैं



हमारे कोका-कोला उत्पाद रेंज में नए और अभिनव उत्पादों के बारे में अधिक जानकारी जल्द साझा की जाएगी

अमेरिका में कोक में असली गन्ने की चीनी के इस्तेमाल के बारे में कोका-कोला से बात कर रहा हूँ और उन्होंने ऐसा करने पर सहमति जताई है। इस बीच कोका-कोला की ओर से जारी एक संक्षिप्त बयान के मुताबिक हम अपने प्रतिष्ठित कोका-कोला ब्रांड के प्रति राष्ट्रपति के

उत्साह की सराहना करते हैं। हमारे कोका-कोला उत्पाद रेंज में नए और अभिनव उत्पादों के बारे में अधिक जानकारी जल्द ही साझा की जाएगी। गौरतलब है कि कोका-कोला ने लागत में कटौती के प्रयास

कोका-कोला ने लागत में कटौती के प्रयास के तहत 1980 के दशक में 'हाई-फ्रक्टोस कॉर्न सिरप' अपनाया था। हालांकि उसे यह बताया गया था कि सामग्री में बदलाव से कोक की शेल्फ लाइफ कम हो जाएगी और निर्माण लागत बढ़ जाएगी। इस बीच अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव संबंधी मामलों के मंत्री रॉबर्ट एफ-कैनेडी जूनियर ने उच्च-फ्रक्टोस कॉर्न सिरप जैसे मीठे पदार्थों के इस्तेमाल की आला

चना की है। वर्तमान में कोका-कोला अमे. रिका में सोडा का एक ऐसा उत्पाद भी उपलब्ध कराता है जिसमें गन्ने की चीनी का इस्तेमाल किया जाता है। इसे 'मैक्सिकन कोक' के नाम से जाना जाता है।

अलास्का में 7.3 तीव्रता का भूकंप

जूनो। अमेरिकी राज्य अलास्का में गुरुवार तड़के करीब 2 बजे (भारतीय समयानुसार) भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 7.3 रही। इसके बाद राज्य के तटवर्ती इलाकों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। हालांकि, कुछ घंटों बाद इसे वापस ले लिया गया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के मुताबिक भूकंप अलास्का के पापोफ आइलैंड पर सेंड पाइंट के पास आया। इसका केंद्र जमीन से 36 किलोमीटर नीचे था। हालांकि, इसमें अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अलास्का भूकंप एजेंसी के मुताबिक यहां एक सप्ताह में, लगभग 400 भूकंप दर्ज किए गए। सबसे बड़ा भूकंप 16 जुलाई को अटका के पास 5.1 तीव्रता का था।

दुबई	IMMEDIATE DEPARTURE	दुबई
INTERVIEW 19, 21 & 22 JULY AT CHANDIGARH OFFICE		
कस्टमर क्लियर	200 Nos	ONLY 25000/-
SERVICE CHARGES		
दुबई की WADE ADAM कंपनी को निम्नलिखित CATEGORIES तहत वाहनों		
OPERATORS: JCB, BOBCAT, ROLLER, BACKHOE, EXCAVATOR, MOBILE CRANE, WHEEL LOADER, GRADER, BUS DRIVER, LIGHT DUTY DRIVER, HYDRAULIC MECHANIC, PLANT ELECTRICIAN, HEAVY DUTY MECHANIC, RIGGER		
नोट: दुबई व ऑफशोर के पास UAE Valid/Expire वाइसेस होना चाहिए		
Email: chdjobs@ambcecs.com Lic No: B-0254(MUMBAI)COM/1000-157295/2005		
AMBE CONSULTANCY SERVICES PVT. LTD. 73558-48978		
CHANDIGARH: SCO 15, Sector 20-D.86578-56477		

हूतियों ने इजरायल के बेन गुरियन हवाई अड्डे पर किया हमला

सना। यमन के सशस्त्र समूह हूती ने इजरायल के बेन गुरियन हवाई अड्डे पर बैलेस्टिक मिसाइल और ड्रोन से हमला करने का दावा किया है। समूह ने बुधवार रात कहा कि इजरायल के बेन गुरियन हवाई अड्डे को एक बैलिस्टिक मिसाइल और दो ड्रोन से निशाना बनाया। यह हमला दिन में गया था।

हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने कहा कि इस हमले के कारण इजरायली हवाई अड्डे का हवाई संचालन अस्थायी रूप से थम गया और हजारों इजरायली नागरिक आश्रय स्थलों की ओर भागते नजर आए। हूती द्वारा संचालित अल-मसीरा सैटेलाइट टीवी चैनल पर प्रसारित एक टेलीविजन बयान में सरिया ने कहा कि हमले ने अपना लक्ष्य हासिल कर लिया। उन्होंने कहा कि समूह ने नेगेव रेगिस्तान की ओर दो अन्य बम से लंदे

■ समूह ने नेगेव रेगिस्तान की ओर दो अन्य बम से लंदे ड्रोन दागे और इजरायली सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया

ड्रोन दागे और इजरायली सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। समूह ने यह भी संकेत दिया कि वह नेगेव रेगिस्तान में स्थित इजरायली परमाणु प्रतिष्ठान को निशाना बना सकता है। यह ठिकाना डिमोना शहर से लगभग आठ मील दक्षिण-पूर्व में है।

प्रवक्ता ने संकल्प लिया कि सशस्त्र समूह इजरायल से जुड़े जहाजों या इजरायल माल ले जाने वाले जहाजों को निशाना बनाना जारी रखेगा। इस बीच इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने सौशल मीडिया पर हूती मिसाइल को रोकने की खबर दी। किसी नुकसान या हताहत की खबर नहीं है।

अब खबरें आपके मोबाइल फोन पर...
www.shahatimesnews.com

प्रवेश सूचना- पैरामेडिकल/वोकेशनल एण्ड यूनिवर्सिटी कोर्स Admission Open

10th व 12th (Open Board) से करें (विषय- साइंस, आर्ट, कॉमर्स)

प्रवेश- 10th हेतु- 8th पास और 10th फेल, 12th हेतु- 10th पास और 12th फेल

Fresh, Part Admission & TOC Facility Available (Exam-Oct/Nov 2025)

NIOS (शिक्षा मंत्रालय) कोर्स- DNYS, Radiology (एक्स-रे टैक), CCH (एलोपैथिक), CAT (आयुर्वेदिक-पंचमर्मा टैक.), CHD (होम्योपैथिक), ECCE (ग्री-ग्राइमरी शिक्षक हेतु), Diploma in Yoga & YTTP, CCA (कम्प्यूटर), ET (इलेक्ट्रिकल टैक.) ETC.

Contact for UGC Approved University Courses:-

Dip. in CMS&ED, DPT, DMLT, OPTOMETRY, OPHTHALMIC, OT TECH MPHW, DENTAL TECH. & HYGIENE, RADIOLOGY & BACHELOR (IN All Paramedical), (M.Sc, B.Sc, B.COM, M.COM) BA/MA/PGD YOGA ETC...

-: प्रवेश हेतु सम्पर्क करें :-

श्री कृष्णा वोकेशनल एण्ड पैरामेडिकल कॉलेज

गांधी कालोनी, मेन पवैण्डा रोड, निकट गऊशाला, मु.नगर

M.: 8505978850, 9634519104

RDOOP RAKSHAK

आप के रूप का रक्षक

क्या आप अपने चेहरे के मुद्दों (Acne) से परेशान हैं। अपनाएं

क्या आप अपने चेहरे के दाग, धब्बे व झाइयों से परेशान हैं, अपनाएं

(भारत सरकार द्वारा रजिस्टर्ड ब्रांड)

Customer Care No. 9457717311

ADMISSION OPEN

Session 2025-26

न्यू स्टेट नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल कॉलेज

12 किमी. स्टोन, रुड़की रोड, मुजफ्फरनगर

Affiliated by: U.P. State Medical Faculty Lucknow and recognized by the U.P. Govt.

कोर्स

• डीग्री टी • ऑप्टोमेट्री • ओ.टी.टी. टेक्नीशियन

कोर्स अवधि : 2 वर्ष

योग्यता : 12वीं पास बायोलोजी/गणित

हसन नर्सिंग होम

92, उत्तरी सरवट गेट, मुजफ्फरनगर

8899777782

मो: 9897640744

अखबार की कटिंग साथ लावे वाले को 5000 की छूट

CMYK

CMYK